Drishti IAS

करेंट अफेयर्स छत्तीसगढ़

दिसंबर 2023 (संग्रह)

Drishti, 641, First Floor, Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry (English): 8010440440, Inquiry (Hindi): 8750187501
Email: help@groupdrishti.in

अनुक्रम

छत्तीसगढ़ **3**

- एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों की राज्यस्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी का होगा आयोजन 3
- एसईसीएल हरित आवरण को बढ़ाने के लिये 'मियावाकी' वृक्षारोपण विधि का उपयोग करेगा 4
- छत्तीसगढ़ के चौथे मुख्यमंत्री होंगे विष्णुदेव साय 5
- प्रधानमंत्री की उपस्थिति में विष्णु देव साय ने ली छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के पद एवं गोपनीयता की शपथ 5
- मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आयोजित पहली कैबिनेट बैठक 6
- राष्ट्रीय कार्यशाला में 'बिहान' द्वारा भोजन, पोषण, स्वास्थ्य और स्वच्छता में सुधार की दी गई जानकारी 7
- रामविचार नेताम ने ली छत्तीसगढ़ विधानसभा के प्रोटेम स्पीकर की शपथ 8
- डॉ. रमन सिंह बने छत्तीसगढ़ विधानसभा का अध्यक्ष 9
- मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने 'श्री कृष्ण जन्मस्थान समाचार पत्र' पुस्तक का किया विमोचन 9
- राशन कार्ड धारकों को नि:शुल्क चावल 12

दृष्टि The Vision

नोट :

छत्तीसगढ़

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों की राज्यस्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी का होगा आयोजन

चर्चा में क्यों ?

6 दिसंबर, 2023 को छत्तीसगढ़ जन संपर्क विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों में वैज्ञानिक अभिरूचि पैदा करने तथा वैज्ञानिक ज्ञान और अनुभव का विस्तार करने के लिये बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी का विद्यालय, ज़िला, संभाग और राज्य स्तर पर आयोजन किया जाएगा।

प्रमुख बिंदु

- जानकारी के अनुसार एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों से विद्यालय स्तर पर 11 दिसंबर, ज़िला स्तर पर 13 दिसंबर, संभाग स्तर पर 15 दिसंबर और राज्य स्तर पर 22 दिसंबर को बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा।
- आयुक्त एवं पदेन सचिव छत्तीसगढ़ राज्यस्तरीय आदिम जाति कल्याण, आवासीय एवं आश्रम शैक्षणिक संस्थान समिति शम्मी आबिदी ने राष्ट्रीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी के आयोजन के संबंध में सभी ज़िला कलेक्टरों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किये है।
- बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी की थीम 'साइंस एंड टेक्नोलॉजी फॉर सोसायटी' है। उप-थीम के विषय हेल्थ, लाइफ स्टाइल फॉर इनवायरमेंट, एग्रीकल्चर, कम्युनिकेशन एंड ट्रांसपोर्ट, कंप्युटेशनल थिंकिंग रखा गया है।
- प्रत्येक उप-कथानक से तीन मॉडल का चयन कर राष्ट्रीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी में भेजा जाएगा। इसके लिये संभाग स्तर पर चयन कर राज्य स्तर पर बस्तर संभाग के 08 विद्यालयों से अधिकतम 15, सरगुजा और बिलासपुर संभाग के 5-5 विद्यालयों से 15-15 मॉडल का चयन किया जाएगा।

इसी प्रकार प्रत्येक थीम से 2 मॉडल का चयन रायपुर संभाग के 04 विद्यालयों से 10 और दुर्ग संभाग के 3 विद्यालयों से 10 मॉडल चयनित किये जाएंगे।

- बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी के चयन के लिये विद्यार्थियों की सहभागिता, रचनात्मकता एवं कल्पना के लिये 20 प्रतिशत अंक, मॉडल में मौलिकता, वैज्ञानिक व गणितीय नवाचार के लिये 15 प्रतिशत अंक, वैज्ञानिक विचार, सिद्धांत एवं दृष्टिकोण हेतु 15 प्रतिशत अंक, तकनीक कौशल, कारीगरी एवं शिल्पकौशल के लिये 15 प्रतिशत अंक तथा समाज के उपयोगिता के लिये 15 प्रतिशत अंकनिर्धारित किये गए हैं।
- आर्थिक (कम लागत) पोर्टेबिलिटी के लिये 10 प्रतिशत अंक और मॉडल के प्रदर्शन एवं प्रस्तुतीकरण पर 10 प्रतिशत अंक निर्धारित किये गए हैं। इसके अतिरिक्त ग्रामीण एवं पिछड़े क्षेत्र के विद्यार्थी के लिये 5 प्रतिशत अतिरिक्त तथा अर्द्ध-शहरी क्षेत्रों के लिये 3 प्रतिशत अंक अतिरिक्त दिया जाएगा।
- एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय के विद्यार्थी जनजातीय क्षेत्रों से आते हैं और वे अपने समाज व कार्यक्षेत्र में विभिन्न प्रकार के ग्रामीण स्तर पर असुविधाओं को देखते और समझते होंगे। उनमें उत्सुकता होती होगी कि वे ग्रामीण क्षेत्र में जनजीवन के कार्यों को किसी तकनीक के माध्यम से हल कर उनके कार्यों को सुगम बनाया जा सकता है। ऐसे कई प्रकार के प्रश्न और उनका समाधान विद्यार्थियों के मन में होता है, जिसे वे कहीं प्रदर्शित नही कर पाते हैं।
- बाल विज्ञान प्रदर्शनी के आयोजन के द्वारा विद्यार्थी ऐसे जनजीवन के तकलीफों का आसान बनाने के लिये उनके मन में कोई विचार या मॉडल है तो उसे प्रदर्शित कर सकते हैं और इसके माध्यम से वे राष्ट्रीय स्तर पर अपने मौलिक तकनीक ज्ञान के माध्यम से स्थान बना सकते हैं।

एसईसीएल हरित आवरण को बढ़ाने के लिये 'मियावाकी' वृक्षारोपण विधि का उपयोग करेगा

चर्चा में क्यों?

6 दिसंबर, 2023 को पत्र सूचना कार्यालय, भारत सरकार द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ के कोयला बेल्ट क्षेत्र में वन आवरण को बढ़ावा देने के लिये साउथ ईस्टर्न कोल फील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) अपने परिचालन क्षेत्रों में पहली बार जापान की लोकप्रिय 'मियावाकी' पद्धति का उपयोग करके वृक्षारोपण करेगी।

प्रमुख बिंदु

- कोल इंडिया लिमिटेड की सहायक कंपनी एसईसीएल पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर गेवरा क्षेत्र में दो हेक्टेयर क्षेत्र में मियावाकी जंगल विकसित करने के लिये लोकप्रिय जापानी तकनीक का उपयोग करेगी।
- यह परियोजना लगभग 4 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत पर छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम (CGRVVN) के साथ साझेदारी में लागू की जाएगी।
- मियावाकी तकनीक का उपयोग करके वृक्षारोपण दो वर्षों की अवधि में किया जाएगा, जिसमें लगभग 20,000 पौधे लगाए जाएंगे। वृक्षारोपण में बड़े पौधे, जैसे- बरगद, पीपल, आम, जामुन आदि; मध्यम पौधे, जैसे- करंज, आँवला, अशोक आदि और छोटे पौधे, जैसे- कनेर, गुड़हल, त्रिकोमा, बेर, अंजीर, नींबू आदि शामिल होंगे।
- विदित हो कि वृक्षारोपण की मियावाकी पद्धति की शुरुआत 70 के दशक में जापानी वनस्पतिशास्त्री और पादप पारिस्थितिकी विशेषज्ञ अकीरा मियावाकी ने की थी। वृक्षारोपण की इस तकनीक में प्रत्येक वर्ग मीटर के भीतर देशी पेड़, झाड़ियाँ और ग्राउंडकवर पौधे लगाना शामिल है। यह कम जगह में तेजी से घने जंगल को विकसित करने के लिये एक आदर्श विधि है।
- मियावाकी वृक्षारोपण के लिये चुनी गई प्रजातियाँ आमतौर पर ऐसे पौधों की होती हैं, जिन्हें बहुत अधिक रखरखाव की आवश्यकता नहीं होती है और वे कठोर मौसम एवं पानी की कमी की स्थिति में जीवित रह सकते हैं तथा मौजूदा परिस्थितियों में तेजी से बढ़ सकते हैं। इससे कम समय में एक घना जंगल विकसित करने में मदद मिलती है।
- एसईसीएल में मियावाकी वृक्षारोपण की पायलट परियोजना से कम समय में देश की सबसे बड़ी कोयला खदान गेवरा खदान के आसपास हरित आवरण बढ़ाने में मदद मिलेगी। फलदार, एवेन्यू और सजावटी पेड़ों की स्वदेशी प्रजातियों से बना जंगल स्थानीय समुदायों और वन्यजीवों के लिये भी लाभकारी सिद्ध होगा। परियोजना के तहत विकसित जंगल धूल के कणों को सोखने में एवं सतह के तापमान को नियंत्रित करने में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

- उल्लेखनीय है कि भारत की अग्रणी कोयला कंपनियों में से एक होने के अलावा एसईसीएल अपनी खदानों के आसपास हरित आवरण को बढ़ावा देने एवं पर्यावरण को संरक्षित करने और कोयला खनन के प्रभावों को कम करने की दिशा में लगातार काम कर रही है।
- अपनी स्थापना के बाद से अब तक एसईसीएल 3 करोड़ से अधिक पौधे लगा चुका है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी ने 475 हेक्टेयर क्षेत्र में हरित आवरण का विकास किया है तथा 10.77 लाख पौधे लगाए हैं, जो कोल इंडिया की सभी सहायक कंपनियों में सबसे अधिक है।
- कंपनी ने हाल ही में 2023-24 से 2027-28 तक पाँच साल की अवधि के लिये 169 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत पर वृक्षारोपण और इसके बाद 4 वर्षों के रखरखाव के लिये छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम (सीजीआरवीवीएन) और मध्य प्रदेश राज्य वन विकास निगम (एमपीआरवीवीएन) के साथ समझौता किया है।

छत्तीसगढ़ के चौथे मुख्यमंत्री होंगे विष्णुदेव साय

चर्चा में क्यों?

10 दिसंबर, 2023 को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राज्य के मुख्यमंत्री के रुप में प्रदेश के आदिवासी नेता व कुनकुरी से विधायक विष्णुदेव साय को चुना है। वे राज्य के चौथे मुख्यमंत्री एवं पहले आदिवासी मुख्यमंत्री होंगे।

प्रमुख बिंदु

- रायपुर के भाजपा प्रदेश कार्यालय में हुई विधायक दल की बैठक में विष्णुदेव साय को विधायक दल का नेता चुना गया। इसके साथ ही उन्होंने राजभवन पहुँचकर राज्यपाल के पास सरकार बनाने का दावा पेश किया। 13 दिसंबर को वो मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे।
- विष्णुदेव साय छत्तीसगढ़ की कुनकुरी विधानसभा से चुनकर आते हैं। राज्य में आदिवासी समुदाय की आबादी सबसे अधिक है। वे इसी समुदाय से आते है। वे राज्य के पहले आदिवासी मुख्यमंत्री होंगे। वे भाजपा से भी पहले आदिवासी मुख्यमंत्री होंगे। हालांकि, प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री अजीत जोगी को भी राज्य का पहला आदिवासी समाज से आने वाला मुख्यमंत्री माना जाता है, लेकिन उनकी जाति से जुड़ा मामला फिलहाल न्यायालय में लंबित है।
- विदित हो कि विष्णुदेव साय चार बार सांसद, दो बार विधायक, केंद्रीय राज्य मंत्री और दो-दो बार भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भी रहे हैं।
- उन्होंने अपनी राजनीतिक सफर की शुरुआत 1989 में की थी। सबसे पहले उन्होंने एक गाँव के पंच के रूप में कार्य किया। भारतीय जनता पार्टी ने साल 1990 में उन्हें तपकरा विधानसभा क्षेत्र से विधायक का टिकट दिया, जिसमें उन्होंने जीत हासिल की। इसके बाद वे रायगढ़ लोकसभा क्षेत्र से 1999 से 2014 तक लगातार तीन बार सांसद चुने गए।

प्रधानमंत्री की उपस्थिति में विष्णु देव साय ने ली छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के पद एवं गोपनीयता की शपथ

चर्चा में क्यों?

13 दिसंबर, 2023 को राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में छत्तीसगढ़ के नए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

प्रमुख बिंदु

- शपथ ग्रहण समारोह में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के साथ ही उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत तथा त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा विशेष रूप से मौज़ूद थे।
- राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने इस मौके पर छत्तीसगढ़ के उप-मुख्यमंत्री के रूप में अरूण साव एवं विजय शर्मा को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।
- उप-मुख्यमंत्री अरुण साव वर्ष 2019 में पहली बार लोकसभा चुनाव जीतकर सांसद बने थे। इस बार उन्होंने लोरमी विधानसभा से जीत

नोट :

हासिल की थी। वे अभी तक भाजपा प्रदेश अध्यक्ष की ज़िम्मेदारी संभाल रहे थे।

- छत्तीसगढ़ के दूसरे उप-मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने विधानसभा चुनाव 2023 में कबीरधाम विधानसभा सीट से जीत हासिल की है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आयोजित पहली कैबिनेट बैठक

चर्चा में क्यों?

14 दिसंबर, 2023 को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित कैबिनेट की प्रथम बैठक में राज्य के ग्रामीण अंचल के आवासहीन के लिये अहम फैसला लिया गया। बैठक में उप-मुख्यमंत्री अरूण साव एवं विजय शर्मा मौजूद थे।

प्रमुख बिंदु

- कैबिनेट की बैठक में निर्णय लिया कि राज्य में 18 लाख 12 हज़ार 743 जरूरतमंद परिवारों को तत्परता से आवास की स्वीकृति देने के साथ ही आवश्यक धनराशि उपलब्ध कराई जाएगी।
- बैठक में निर्णय लिया गया कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत स्थायी प्रतीक्षा सूची के पात्र शेष परिवारों (6,99,439) एवं आवास प्लस सूची के पात्र परिवारों (8,19,999) की स्वीकृति की जाएगी।
- योजना के तहत निर्माणाधीन 2,46,215 आवासों को भी शीघ्र पूर्ण कराया जाएगा।
- राज्य में प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के अंतर्गत कुल 17,65,653 आवास एवं अन्य 47,090 आवास कुल 18,12,743 जरूरतमंद पात्र परिवारों को तत्परता से स्वीकृति देने के साथ ही आवश्यक धनराशि उपलब्ध कराई जाएगी।

राष्ट्रीय कार्यशाला में 'बिहान' द्वारा भोजन, पोषण, स्वास्थ्य और स्वच्छता में सुधार की दी गई जानकारी

चर्चा में क्यों?

14 दिसंबर, 2023 को राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की संचालक पद्मिनी भोई साहू ने नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में छत्तीसगढ़ में राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में भोजन, पोषण, स्वास्थ्य और स्वच्छता के स्तर में हो रहे सुधार के संबंध में जानकारी दी।

प्रमुख बिंदु

- विदित हो कि छत्तीसगढ़ में राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान), यूनिसेफ और पी.सी.आई. की साझेदारी में किये जा रहे कार्यों से ग्रामीण क्षेत्रों में भोजन, पोषण, स्वास्थ्य और स्वच्छता (FNHW – Food, Nutrition, Health and Wash) के स्तर में सुधार आ रहा है।
- राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की संचालक पद्मिनी भोई साहू ने कार्यशाला में मौजूद वर्ल्ड बैंक, बिल एंड मिलिंडा गेट्स फाउंडेशन, वेदांता, टाटा ट्रस्ट, जिंदल एवं एस.डब्ल्यू. फाउंडेशन को छत्तीसगढ़ आकर एफएनएचडब्ल्यू कार्यों को देखने एवं राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के साथ साझेदारी कर समुदाय के विकास में भागीदारी के लिये आमंत्रित किया।

नोट :

- छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) द्वारा प्रदेश की स्वसहायता समूह की महिलाओं की सहभागिता से गर्भवती महिलाओं, दो वर्ष तक के बच्चों व उनकी माताओं, किशोरी बालिकाओं, धात्री माताओं के खाद्य, पोषण, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता में सुधार के लिये यूनिसेफ तथा पी.सी.आई. संस्था के साथ फूड, न्यूट्रिशन, हेल्थ एंड वॉश (एफएनएचडब्ल्यू) रणनीति के तहत व्यवहार परिवर्तन एवं जेंडर इंटीग्रेशन पर कार्य किया जा रहा है।
- बस्तर ज़िले में 'स्वाभिमान योजना' के नाम से संचालित इन रणनीतियों को 31 ज़िलों में समृद्ध बिहान के नाम से विस्तारित किया जा रहा है।

रामविचार नेताम ने ली छत्तीसगढ़ विधानसभा के प्रोटेम स्पीकर की शपथ

चर्चा में क्यों ?

17 दिसंबर, 2023 को छत्तीसगढ़ के राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने राजभवन में आयोजित समारोह में पूर्व मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ विधायक रामविचार नेताम को छत्तीसगढ़ विधानसभा के प्रोटेम स्पीकर पद की शपथ दिलाई।

प्रमुख बिंदु

- विदित हो कि प्रोटेम स्पीकर छत्तीसगढ़ विधानसभा के लिये नवनिर्वाचित विधायकों को शपथ दिलाएंगे। भाजपा पहले ही वरिष्ठ विधायक एवं पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह को विधानसभा अध्यक्ष नामित कर चुकी है।
- उल्लेखनीय है कि नवनिर्वाचित विधायकों को विधानसभा की सदस्यता की शपथ प्रोटेम स्पीकार ही दिलाता है। सदस्यों के शपथ के बाद विधानसभा के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का चुनाव होता है। स्थायी विधानसभा अध्यक्ष (स्पीकर) के पदभार ग्रहण करने के साथ ही प्रोटेम स्पीकार का कार्य और कार्यकाल स्वत: समाप्त हो जाता है।
- प्रोटेम स्पीकर: प्रो-टेम एक लैटिन वाक्यांश है जिसका अर्थ है 'कुछ समय के लिये'। प्रोटेम स्पीकर एक अस्थायी स्पीकर होता है जिसे सीमित अवधि के लिये नियुक्त किया जाता है।
- प्रोटेम स्पीकर की आवश्यकता: लोकसभा/विधानसभा का अध्यक्ष नवनिर्वाचित सदन की पहली बैठक से ठीक पहले अपना पद खाली कर देता है।
  - राष्ट्रपति/राज्यपाल नवनिर्वाचित सदन (लोकसभा/विधानसभा) की बैठकों की अध्यक्षता करने के लिये प्रोटेम स्पीकर की नियुक्ति करते हैं। आमतौर पर सदन के सबसे वरिष्ठ सदस्य को प्रोटेम स्पीकर बनाया जाता है.

नोट :

- प्रोटेम स्पीकर के कर्तव्य:
  - प्रोटेम स्पीकर लोकसभा की पहली बैठक की अध्यक्षता करता है, नवनिर्वाचित सांसदों को पद की शपथ दिलाता है।
  - स्पीकर और डिप्टी स्पीकर के लिये मतदान कराना.
  - नए अध्यक्ष के चुनाव पर प्रोटेम स्पीकर का पद समाप्त हो जाता है।
  - वह फ्लोर टेस्ट का संचालन भी करते हैं।

डॉ. रमन सिंह बने छत्तीसगढ़ विधानसभा का अध्यक्ष

चर्चा में क्यों?

19 दिसंबर 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह को छत्तीसगढ़ विधानसभा का अध्यक्ष चुना गया है।

प्रमुख बिंदु

- प्रोटेम स्पीकर रामविचार नेताम द्वारा सदन में डॉ. रमन सिंह को निर्विरोध निर्वाचित होने की घोषणा किया गया।
- डॉ. रमन सिंह छत्तीसगढ़ के तीन बार मुख्यमंत्री, सांसद, विधायक और केंद्रीय मंत्री रहे हैं।
- नवंबर 2023 में हुए विधानसभा चुनाव में डॉ. रमन सिंह ने कांग्रेस प्रत्याशी गिरीश देवांगन को 45,084 वोटों के अंतर से हराया था।
- सात बार के विधायक रहे डॉ. रमन सिंह वर्ष 2008 से राजनांदगांव विधानसभा सीट से प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।
- डॉ. रमन सिंह वर्ष 1999 में लोकसभा सांसद के रूप में भी चुने गए थे।
- विदित हो कि डॉ. रमन सिंह अटल बिहारी वाजपेयी सरकार में केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग राज्य मंत्री के रूप में दायित्वों का निर्वहन कर चुके है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने 'श्री कृष्ण जन्मस्थान समाचार पत्र' पुस्तक का किया विमोचन

चर्चा में क्यों?

21 दिसंबर, 2023 को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और वरिष्ठ साहित्यकार पंडित सुंदरलाल शर्मा की जयंती के अवसर पर वरिष्ठ इतिहासकार आचार्य रमेंद्रनाथ मिश्र द्वारा पुन: संपादित एवं संयोजित 'श्री कृष्ण जन्मस्थान समाचार पत्र' नामक पुस्तक का विमोचन किया।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- गौरतलब है कि सामाजिक परिवर्तन के प्रणेता रहे पंडित सुंदरलाल शर्मा ने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान 1922-23 में जेल से हस्तलिखित श्री कृष्ण जन्म स्थान समाचार पत्र निकाला था।
- छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ इतिहासकार आचार्य रमेंद्रनाथ मिश्र ने श्री कृष्ण जन्मस्थान समाचार पत्र को किताब के रूप में संकलित एवं संयोजित किया है।
- मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आचार्य मिश्र को पंडित सुंदरलाल लाल शर्मा द्वारा हस्तलिखित श्री कृष्ण जन्मस्थान समाचार पत्र को सहेजकर पुन: संपादन के लिए शुभकामनाएं दी।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि इस महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कृति के संकलन से युवा पीढ़ी को अपने पुराधाओं के संघर्ष और उनके योगदान को जानने-समझने का अवसर मिलेगा।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के आग्रह पर भारत सरकार ने दी तत्काल अनुमतिः सेंट्रल पूल में छत्तीसगढ़ से 15 लाख मेट्रिक टन उसना चावल लेगा एफसीआई

चर्चा में क्यों ?

21 दिसंबर, 2023 को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के आग्रह को भारत सरकार ने तत्काल स्वीकार करते हुए छत्तीसगढ़ से सेंट्रल पूल में 15 लाख मेट्रिक टन उसना चावल लिए जाने की अनुमति प्रदान कर दी है।

प्रमुख बिंदु

- विदित हो कि छत्तीसगढ़ से उसना चावल उपार्जित किए जाने की अनुमति काफी दिनों से लंबित थी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राज्य में समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन की स्थिति एवं कस्टम मिलिंग की ओर केंद्रीय खाद्य मंत्री पीयूष गोयल का ध्यान आकर्षित करते हुए 21 दिसंबर को पत्र लिखा था।
- मुख्यमंत्री के आग्रह को स्वीकार करते हुए केंद्रीय खाद्य मंत्री के निर्देश पर भारत सरकार के खाद्य विभाग मंत्रालय द्वारा छत्तीसगढ़ से 15 लाख मेट्रिक टन उसना चावल उपार्जन की स्वीकृति का पत्र जारी कर दिया गया है।
- मुख्यमंत्री ने अपने पत्र में सेंट्रल पूल में चावल उपार्जन का कोटा 61 लाख मेट्रिक टन से बढ़ाकर 74 लाख मेट्रिक टन करने के साथ ही राज्य से 59 लाख मेट्रिक टन अरवा तथा 15 लाख मेट्रिक टन उसना चावल लिए जाने का अनुरोध किया है।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में 20 दिसंबर की स्थिति में समर्थन मूल्य पर 8.68 लाख किसानों से 39.63 लाख मेट्रिक टन धान का उपार्जन किया जा चुका है एवं प्रतिदिन 3 लाख मेट्रिक टन से ज्यादा धान की आवक हो रही है।
- इस साल किसानों से समर्थन मूल्य पर लगभग 130 लाख मेट्रिक टन धान का उपार्जन अनुमानित है, जिसके कस्टम मिलिंग से 88 लाख मेट्रिक टन चावल निर्मित होगा। इसमें से केंद्रीय पूल में लगभग 74 लाख मेट्रिक टन (भारतीय खाद्य निगम में 58 मेट्रिक लाख टन एवं नागरिक आपूर्ति निगम में 16 लाख टन) एवं स्टेट पूल में 14 लाख टन चावल का उपार्जन किया जाएगा।

नोट :

- मुख्यमंत्री ने पत्र में यह भी उल्लेख किया है कि छत्तीसगढ़ प्रदेश हेतु केंद्रीय पूल में 61 लाख टन चावल उपार्जन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। प्रदेश में कुछ किस्म के धान के मिलिंग में ज्यादा ब्रोकन आने के कारण निर्धारित गुणवत्ता का अरवा चावल नहीं बनने से अरवा मिलिंग में कठिनाईयां आती है। ऐसे धान की उसना मिलिंग कराने से कस्टम मिलिंग में गति आयेगी।

प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना : राज्य में 18 क्षेत्रों में कार्य करने वाले पात्र व्यक्तियों को मिलेगा योजना का लाभ

चर्चा में क्यों?

24 दिसंबर, 2023 को छत्तीसगढ़ जनसंपर्क विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई 'पीएम विश्वकर्मा कौशल सम्मान योजना' के तहत राज्य में 18 क्षेत्रों में कार्य करने वाले पात्र व्यक्तियों को लाभ मिलेगा।

प्रमुख बिंदु

- 'पीएम विश्वकर्मा कौशल सम्मान योजना' के तहत पात्र लोगों को सरकार की तरफ से 3 लाख रुपए का ऋण 5 प्रतिशत रियायती ब्याज दर पर उपलब्ध कराया जाएगा। पहले चरण में पात्र व्यक्तियों को एक लाख रुपए का ऋण दिया जाएगा, जबकि दूसरे चरण में 2 लाख रुपए तक का लोन लिया जा सकता है।
- हितग्राहियों को कौशल सत्यापन के बाद 5 दिवसीय बुनियादी प्रशिक्षण तथा 15 दिन या उससे अधिक उन्नत प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण में 500 रुपए का दैनिक भत्ता देने का प्रावधान है। टूलकिट प्रोत्साहन के रूप में 15,000 रुपए का अनुदान देने की सुविधा है। डिजिटल लेनदेन के लिए प्रोत्साहन के रूप में प्रतिमाह अधिकतम 100 रूपए के लेनदेन के लिए प्रति लेनदेन 1 रुपए निर्धारित है।
- ज़िला व्यापार एवं उद्योग केंद्र से मिली जानकारी के अनुसार इस योजना के अंतर्गत 18 क्षेत्रों में कार्य करने वाले व्यक्ति इसका लाभ उठा सकते हैं। इनमें राजमिस्त्री, नाई, मालाकार, धोबी, दर्जी, ताला बनाने वाले, बढ़ई, लोहार, सुनार, अस्त्रकार, मूर्तिकार, पत्थर तराशने वाले, पत्थर तोड़ने वाले, मोची/जूता बनाने वाला कारीगर, नाव निर्माता, टोकरी/चटाई/झाड़ू बनाने वाला, गुड़िया और खिलौना निर्माता, हथौड़ा और टूलकिट निर्माता, फिशिंग नेट निर्माता शामिल हैं।
- इस योजना का लाभ उठाने के लिए पात्र व्यक्ति चॉइस सेंटर के माध्यम से पीएम विश्वकर्मा योजना पोर्टल पर पंजीकरण कर सकता है। इसके लिए आधार, मोबाइल नंबर, बैंक विवरण एवं राशन कार्ड की आवश्यकता होगी।
- इस योजना का लाभ लेने के लिए आयु 18 वर्ष पूर्ण होनी चाहिए। स्वरोजगार/व्यवसाय विकास योजनाओं के तहत हितग्राही ने पिछले 5 वर्ष में किसी भी शासकीय योजना अंतर्गत ऋण न लिया हो। योजना के तहत परिवार का एक ही सदस्य पात्र होगा। सरकारी सेवा में कार्यरत व्यक्ति और उनके परिवार के सदस्य योजना के लिए पात्र नहीं होंगे।

राशन कार्ड धारकों को नि:शुल्क चावल

चर्चा में क्यों?

हाल ही में छत्तीसगढ़ सरकार ने जनवरी 2024 से अंत्योदय अन्न योजना के तहत पात्र 67.92 लाख राशन कार्ड धारकों को उचित मूल्य की दुकानों के माध्यम से मुफ्त चावल देने की घोषणा की है।

- अंत्योदय अन्न योजना लाखों गरीब परिवारों को कम कीमतों पर भोजन उपलब्ध कराने हेतु सरकार की प्रायोजित योजना है।

नोट :

मुख्य बिंदु

- यह योजना छत्तीसगढ़ खाद्य एवं पोषण सुरक्षा अधिनियम, 2013 के अंतर्गत आगामी पाँच वर्षों के लिये जनवरी 2024 से दिसंबर 2028 तक क्रियान्वित की जाएगी।
  - अधिनियम के तहत अन्त्योदय, प्राथमिकता, नि:शक्तजन और एकल निराश्रित श्रेणी के राशन कार्डधारकों को नि:शुल्क चावल वितरित किया जाएगा।
- खाद्य विभाग के अनुसार अंत्योदय श्रेणी में 14.92 लाख से अधिक राशन कार्डधारक हैं:
  - 52.46 लाख प्राथमिकता श्रेणी से
  - एकल-निराश्रित श्रेणी से 37,708 तथा
  - 15,351 दिव्यांग श्रेणी से हैं।
- राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 (NFSA): यह गरीबी रेखा से नीचे के लोगों को खाद्यान्न पर सब्सिडी प्रदान कर किफायती और अच्छी गुणवत्ता वाले भोजन तक पहुँच सुनिश्चित करता है।
- उचित मूल्य की दुकानें (FPS): यह भारत में एक सरकार द्वारा संचालित या सरकार द्वारा विनियमित खुदरा दुकान या स्टोर है।
  - इसका उद्देश्य जनता को आवश्यक वस्तुएँ, जैसे– खाद्यान्न, खाद्य तेल, चीनी और अन्य बुनियादी आवश्यकताओं को रियायती या उचित मूल्य पर वितरित करना है।